

प्राश्निक कोड क्र.

पृष्ठ क्र. - 01

प्रश्न पत्र / आदर्श उत्तर ✓

परीक्षा का नाम: - पूर्व मध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय वेद परम्परागत विषय कोड 1218 माध्यम संस्कृत

कुल प्रश्न

समय-3 घण्टा

पूर्णांक 100

निर्देश

प्रश्न क्रमांक	प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
01	6X1=6
02	6X1=6
03	6X1=6

हस्ताक्षर

I

प्रश्निक कोड क्र.

पृष्ठ क्र.—02

प्रश्न पत्र 7 आदर्श उत्तर ✓

परीक्षा का नाम:—पूर्व मध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय ✓

विषय वेद परम्परा शास्त्र विषय कोड 1218 माध्यम संस्कृत

कुल प्रश्न

समय—3 घण्टा

पूर्णांक

निर्देश

प्रश्न क्रमांक	निर्देश	प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
04	(क) सत्यम् (ख) सत्यम् (ग) सत्यम् (घ) सत्यम् (ङ) सत्यम् (च) असत्यम् (छ) सत्यम्	7 × 1 = 7
05	(क) षोडश । (ख) अष्टादश । (ग) त्रयोविंशति । (घ) एकविंशति । (ङ) वेदः । (च) शुक्ल यजुर्वेद । (छ) षड्विंशति ।	7 × 1 = 7
06	अथ वेदः एकविंशद्वयाधे विहितः । एतावानरूपं ब्रह्मिणो ज्ञेयं योश्चैव पूरुषोऽहम् । पादोऽयं त्रिविधः शूलानि त्रिपादस्य । मूलद्विवि ॥	02

हस्ताक्षर

प्राश्निक कोड क्र.

पृष्ठ क्र.—०३

प्रश्न पत्र / आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम:—पूर्व-मध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय वेद परम्परागत विषय कोड ... 1218 ... माध्यम हिन्दी

कुल प्रश्न

समय—३ घण्टा

पूर्णांक

निर्देश

प्रश्न क्रमांक	आदर्श उत्तर	प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
०७	यज्ञेन यज्ञा यज्ञजान देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन् । तेहनाम्माहियन् ॥ सयन्त यज्ञा पूर्वे सादृष्ट्या ॥ सन्नि देवाः ॥	०२
०८	देव्या वदुष्ट्यम् आगन् दुरधेन दुष्ट्यव्यय मदुष्ट्या यज्ञा द्वा सुमन्त्राले । तम्पन्न धा यं दवे नक्षिप्रा देवानाम् ॥	०२
०९	आनन्द इडा शिविदधे सुशालि विश्वानन्द सविता देवः पृथु । अपि यज्ञा सुवानो मत्तन धानो विवश्च वज्रादभि पितृवे मनीषा ॥	०२
१०	येने इमं भूतं भुवन् । भवितव्यपरिग्रही भूतान् सर्वम् ॥	०२
११	यत्किञ्चन च । साम यज्ञं पृथिव्यम् पुनर्विद्वान् रक्षन् । आ वि वारा ॥	०२

हस्ताक्षर

II

प्राशनक कोड क्र.

पृष्ठ क्र.— 04

प्रश्न पत्र / आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम:—पूर्व मध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय वेद पद 242/मान विषय कोड 1218 माध्यम संस्कृत

कुल प्रश्न

समय—3 घण्टा

पूर्णांक

निर्देश

प्रश्न क्रमांक	प्रश्न	प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
	आ 3303-22	
12.	ॐ नृचं वचमप्रपद्ये मनो यजुं प्रपद्ये शाम प्राणमप्रपद्ये चक्षुं भोजमप्रपद्ये । त्वा गो जानं सद्यो गो मयि द्यावा पापाना ॥	02
13.	कया लवनाऽकल्या मिप्रमन्दले वृषन् । कया लो लृषमऽशान्तर ॥	02
14.	ॐ त्वाहा प्राणो मयं साधिपति केभ्यः । अमं भन्ता एकोन चत्वारिंशद्दमायल्प अक्षि ।	02
15.	उवाच श्रुचि मीमक्षु इह वान् श्रुचि धुनि श्रुचि शान्त लुङ्गि चामि युग्वा यं विशिपुं त्वाहा ।	02
16.	जो सहस्रो सिरवाले, सहस्रो नेत्रों वाले सहस्रो चरण वाले विराट् पुरुष है इति श्रुत्वा । ॐ तदेवाग्निस्तदादित्यस्तदवायुस्तदु पञ्चमाह । तदेव शुक्रं तद्ब्रह्म तदाश्रितं सत्पुत्राणि तद ।	03

हस्ताक्षर

प्राश्निक कोड क्र.

पृष्ठ क्र. - ०५
प्रश्न पत्र / आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम:—पूर्व मध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय: वेद पदपरा गण विषय कोड: 12/18 माध्यम: संस्कृत

कुल प्रश्न:

समय—3 घण्टा

पूर्णांक:

निर्देश

प्रश्न क्रमांक	प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
17	03
18	03
19	03

प्राशनिक कोड क्र.

पृष्ठ क्र.—०६

प्रश्न-पत्र / आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम:—पूर्व मध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय वेद परम्परा गान विषय कोड 1218 माध्यम संस्कृत

कुल प्रश्न

समय—3 घण्टा

पूर्णांक

निर्देश

प्रश्न क्रमांक	निर्देश	प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
	आइइडि-नर 19 अक्षरा लक्ष्मिनामि विविनो भवानुक्षरा निवेशनी अर्धानुल्लेखान्तरं श्रवणं संप्रदायं ॥	
20	दागल्लेखानुसारं श्रवणं करणीयम् अक्षरा ऊँ देवलयत्वा सुविभुः पुरावे विविनो व्याहृत्य ॥ २००॥ इत्यादि प्राम् आइइ देव्यारिरिति ॥	03
21	लेखनानुसारं श्रवणं करणीयम् अक्षरा अथ संज्ञाः यत्वारि श्रवणाय विहितः व्याख्या:—दागल्लेखानुसारं श्रवणं करणीयम् हीदाक्षरीयप्रसङ्गात् श्रवणं दागल्लेखानुसारं करणीयम्	03
22	सूहृदाश्रयकोपनिषदः रचनाकारः याज्ञवल्क्यः ॥ दागल्लेखानुसारं श्रवणं करणीयम् अथवा दागल्लेखानुसारं श्रवणं विहितं हस्ताक्षरं	04

I

प्राश्निक कोड क्र.

पृष्ठ क्र. - 07

प्रश्न पत्र / आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम: - पूर्व मध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय २३५२२५२१०२ विषय कोड 12181 माध्यम संस्कृत

कुल प्रश्न

समय-3 घण्टा

पूर्णांक

निर्देश

प्रश्न क्रमांक	निर्देश	प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
23	दीर्घाचरित प्रश्नानां (उत्तराणि) भूपात्रं	04
24	द्विजलप लेखनायुसारं उद्गीयम्	04
25		04
26		04
27		05
28		05
		100
	हस्ताक्षर	